P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-7* March- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

माध्यमिक स्तर पर उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें एक तुलनात्मक अध्ययन

प्रमोद आमेटा
व्याख्याता,
शिक्षा शास्त्र विभाग,
विद्या भवन गो.से.
शिक्षक महाविद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का पता लगाना है। प्रस्तुत शोध में प्राप्त दत्तों के विश्लेषण के आधार से महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले गये। इससे यह तथ्य प्रकाशित हुआ कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय में छात्रों की अध्ययन आदतों की अपेक्षा छात्राओं की अध्ययन आदतें अच्छी थी। वहीं निजी माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं की अध्ययन आदतें छात्रों की अपेक्षा अधिक थी। यही राजकीय माध्यमिक छात्र छात्राओं की अध्ययन आदतें में राजकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतें निजी माध्यमिक विद्यालय की अपेक्षा अच्छी थी।

राजकीय माध्यमिक व निजी माध्यमिक विद्यालयों का समग्र तुलनात्मक अध्ययन करने पर यह पाया कि उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि राजकीय माध्यमिक व निजी माध्यमिक विद्यालय में छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर हैं। साथ ही उच्च उपलब्धि प्राप्त राजकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं में सार्थक अन्तर पाया गया।

निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालय वाले छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। साथ ही उच्च उपलब्धि निजी माध्यमिक विद्यालय वाले प्राप्त छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर पाया गया।

इस अध्ययन में परिणामों में यह ज्ञात हुआ कि वाकई में अध्ययन आदतों के द्वारा शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ सकता है। अर्थात् अध्ययन संबंधी आदतों में सुधार करने पर छात्र–छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में श्रेष्ठतर स्तर प्राप्त किया जा सकता है।

प्रस्तुत अध्ययन के कुछ निष्कर्ष छात्र–छात्राओं की उत्तम अध्ययन संबंधी आदतों एवं महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डालते है जो माता–पिता अध्यापकों व स्वयं छात्र–छात्राओं के लिये उपयोगी हो सकते है।

शोधार्थी इस आशा के साथ इस अध्ययन का उपसंहार करता है कि यह अध्ययन सामान्य रूप में शिक्षा तथा विशेष रूप से छात्र–छात्राओं के शैक्षिक उन्नयन में अपना योगदान सिद्ध होगा।

मुख्य शब्द : उपलब्धि, आदत।

प्रस्तावना

वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकताएँ देश का प्रत्येक बालक व युवा सम्पूर्ण शिक्षा ऊर्जा व चेतना का उपयोग सकारात्मक कार्यों में लगाये इसके लिये यह आवश्यक है कि इस बात की जानकारी हो कि बालकों की अध्ययन की आदतें कैसी है। यह पूर्णत मनोवैज्ञानिक सत्य है कि प्रत्येक व्यक्ति दूसरों से भिन्न होता है। विद्यालय में प्रवेश लेने वाले बालकों में भी व्यक्तिगत भिन्नता पाई जाती है। उनकी अध्ययन संबंधी आदतों व शैक्षिक उपलब्धि में विषमता होती है। यदि इस व्यक्तिगत भिन्नताओं को नजर अंदाज कर दिया जायें। तो बालकों के विकास में असमर्थ होगी अतः एक अध्यापक के लिये अपने विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी आदतों से परिचित होना आवश्यक है ताकि वह उसके अनुरूप विषय वस्तु, कालांश का समय व शिक्षण विधियां निर्धारित कर सकें इसके साथ ही विद्यार्थियों को उचित शैक्षिक व व्यवसायिक निर्देशन दे सके। शिक्षा जगत में इस वैज्ञानिक चरों की महत्ता देखते हुये शोधार्थी ने इस समस्या का चयन किया।

अध्ययन काल

प्रस्तुत शोध (2015–2017) की समयावधि के मध्य किया गया।

साहित्य अवलोकन

संदर्भ साहित्य का अध्ययन शैक्षिक अनुसंधान की सम्पूर्ण प्रक्रिया में एक अध्ययन है।

परविज चाहवात्री (1959) ''ने महाविद्यालय उपलब्धियों की पूर्ण सूचना देते हुए कारनेल इन्वेन्ट्री के पदों के पारस्परिक सम्बन्ध का मूल्यांकन ज्ञान करने का प्रयास किया।''

एण्ड बिस्टले एन.जे. एवं विस्टले डी (1970) ''ने भी अध्ययन आदतों तथा शैक्षिक निष्पादन के मध्य संबंध का अध्ययन किया।''

शु बर्ट (1953) ''में महाविद्यालयों में उच्च तथा निम्न प्राप्तकर्ताओं की अध्ययन आदतों एवं अभिवृत्तियों की तुलना करके पाया कि दोनों समुहों की अध्ययन आदतों की दृष्टि में सार्थक अंतर हैं।''

झा.वी. (1970) ''में अपने अध्ययन में छात्र–छात्राओं की विज्ञान में उपलब्धि आदतों का अध्ययन किया। ''

अध्ययन आदतों एवं उपलब्धि में अल्प संबंध प्रकट करने वाले एवं कुशलताओं संबंधित अध्ययन

दुर्गानन्द सिन्हा (1960) ''विश्वविद्यालय में परीक्षाओं में सफलता एवं असफलता में संबंधित कारकों की अध्ययन का प्रयास किया।''

राज बहादुर वर्मा (1975) ''के 140 विज्ञान के छात्रों के अध्ययन में प्रतिपादित किया कि वे प्रथम श्रेणी के छात्रों की अध्ययन आदतें अन्य छात्रों की अपेक्षा अच्छी होती है। मनोहलाल माखीजा (1970) ने अपने प्रतिवेदन में बताया कि भूगोल में अध्ययन आदतों एवं कुशलताओं का शैक्षिक उपलब्धि धनात्मक संबंध हैं।''

भारत में अध्ययन आदत से संबंधित शोध कार्य

मनीषा सुथार (2000) ''शैक्षिक उपलब्धि के संदर्भ में विद्यार्थियों अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन''

श्रीमती मीना बोहरा (2002–2003) ''आवासीय तथा अआवासीय शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों तथा समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन।''

विनीता जोशी (2009) ''राजकीय व निजी विद्यालयों,छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन''

मधु वसीटा (2010–2011) ''राजकीय एवं निजी माध्यमिक विद्यालय की गार्गी पुरस्कार प्राप्त छात्राएं एवं सामान्य छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन।''

निर्मला कुमारी (2010–2011) ''माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों आत्मसम्बोध का उनकी अध्ययन आदतों पर पढ़ने वाले प्रभाव का अध्ययन''

विदेशों में हुए आदत से संबंधित शोधकार्य

होप.एल. ग्रेवेन (2002) ''कैफीन सेवन करने वाले विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का अध्ययन''

एस.इवान्स (2004) ''महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का समय के संदर्भ में स्वतंत्रता का अध्ययन''

अन्य जनरल रिसर्च में अध्ययन आदतों से हुए संबंधित शोध

सिंह जेडी (2014) ''शाला जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का विद्यालय का वातावरण एवं विद्यार्थियों की स्वच्छता संबंधित आदतों का प्रभाव'' सिंह कुमार विनय, सिंह गीता, जहान मसरूर Study Habits of visually impaied students in relation to their study related variables

मिश्रा रश्मि (2015) ''मनोगामक योग्यताओं का स्कूली छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पडने वाले प्रभाव का सह संबंधात्मक अध्ययन।''

समस्या कथन

शोधकर्ता ने अपनी समस्या को निम्नलिखित रूप में कथन में व्यक्त किया है:–

''माध्यमिक स्तर पर उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें एक तुलनात्मक अध्ययन''

"Study Habits of Low and High Achievers at Secondary Level Comparitive study."

समस्या के उद्देश्य

शोधकर्ता ने समस्या कथन के अनुसार निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये :–

1. उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालय में छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का पता लगाना।
2. उच्च एवं निम्न उपलब्धि वालें निजी माध्यमिक विद्यालयों में छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का पता लगाना।
3. उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि प्राप्त राजकीय माध्यमिक एवं निजी माध्यमिक विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों की तुलना करना।

शोध परिकल्पना

प्रस्तुत शोध में समस्या का हल खोजनें के लिये शोधकर्ता ने शून्य परिकल्पना निर्धारण किया :–

1. उच्च तथा निम्न उपलब्धि वाले माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर नहीं है।

समस्या का परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध में अध्ययन का क्षेत्र उदयपुर शहर तक सीमित रखा गया।,
2. प्रस्तुत शोध में राजकीय व निजी माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं को अध्ययन में शामिल किया गया।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-7* March- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

न्यादर्श का चयन

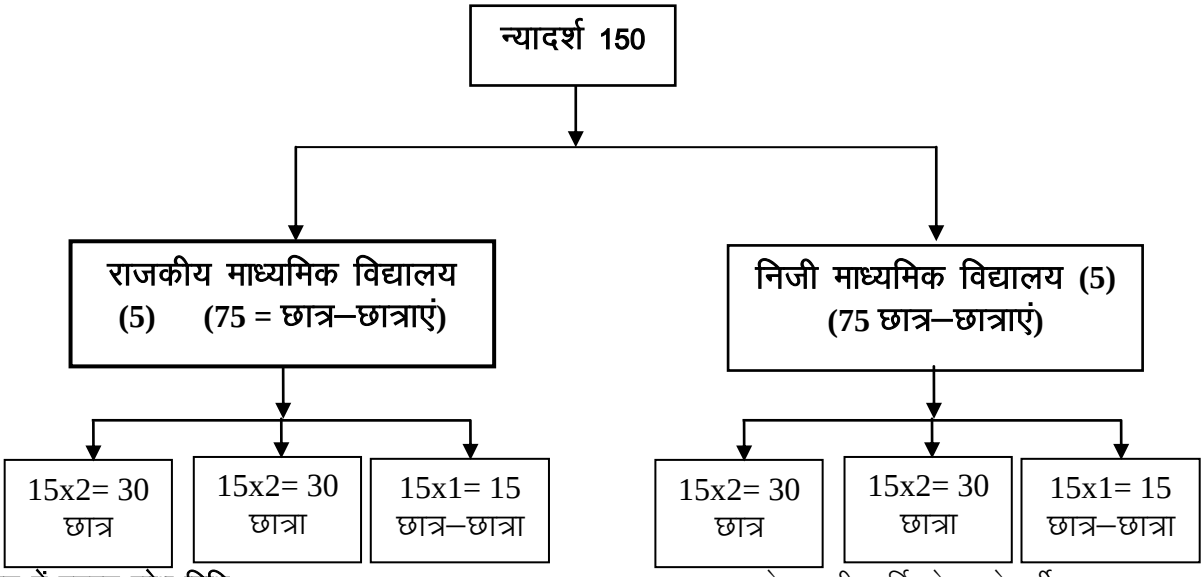

अध्ययन में प्रयुक्त शोध विधि

अनुसंधान की प्रकृति कों देखते हुये शोध हेतु शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का चयन किया।

शोध में प्रयुक्त उपकरणः

प्रस्तुत शोध हेतु **डॉ. सी.पी. माथुरकृत "अध्ययन संबंधी आदतों का परीक्षण"** मानकीकृत उपकरण को प्रयोग में लिया गया है।

प्रदत्त संकलन

उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा निर्मित उद्देश्य उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं का अध्ययन निर्धारित किया गया इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु शोधार्थी द्वारा छात्र–छात्राओं से दत्त प्राप्त कर प्राप्ताकों के आधार पर प्रतिशत निकाला गया जिनका विवरण सारणी व आरेख द्वारा प्रदर्शित किया गया।

उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन

प्राप्तांक	प्रतिशत
56 and above	0.0%
42 to 55	80%
33 to 41	20%
19 to 32	0.0%
18 and below	0.0%

उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन

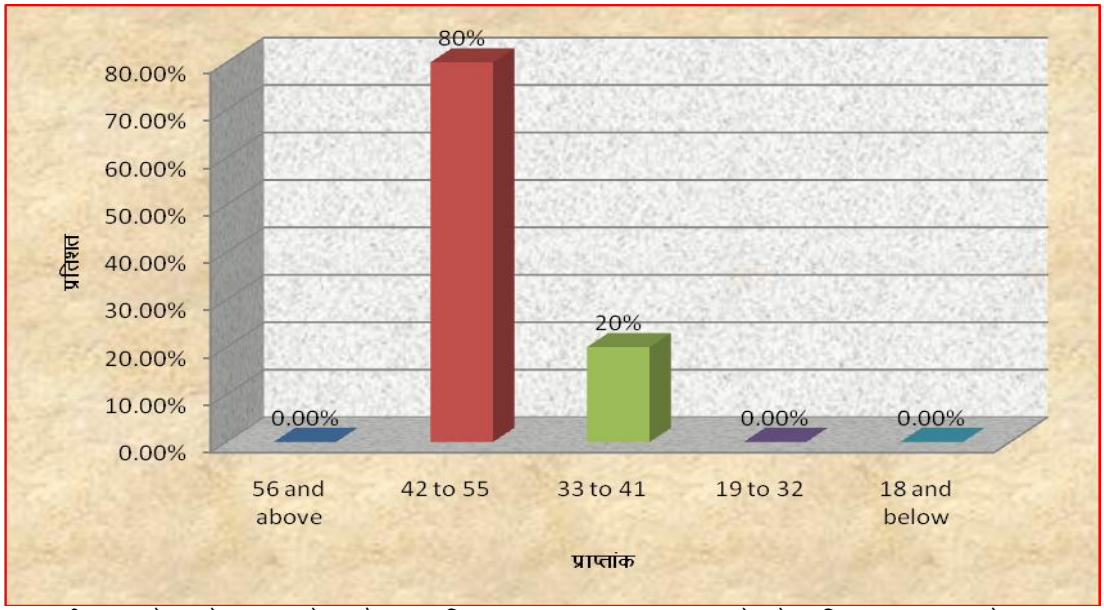

सारणी व आरेख से स्पष्ट होता है 80 प्रतिशत राजकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति स्तर अच्छा है एवं 20 प्रतिशत छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति स्तर संतोष

जनक हैं। इससे स्पष्ट हे कि अधिकांश राजकीय माध्यमिक विद्यालय छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति प्राप्तांक स्तर अच्छा हैं।

2. उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि वाले निजी माध्यमिक विद्यालयों की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन

प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी द्वारा निर्मित उद्देश्य उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले निजी माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन करना निर्धारित किया गया इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु शोधार्थी द्वारा छात्र– छात्राओं से दत्त प्राप्त कर प्राप्ताकों के आधार पर प्रतिशत निकाला गया जिनका विवरण सारणी व आरेख द्वारा प्रदर्शित किया गया।

उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि वाले निजी माध्यमिक विद्यालयों की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन

प्राप्तांक	प्रतिशत
56 and above	0.0
42 to 55	26.66%
33 to 41	60%
19 to 32	13.33%
18 and below	0.0%

उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि वाले निजी माध्यमिक विद्यालयों की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन

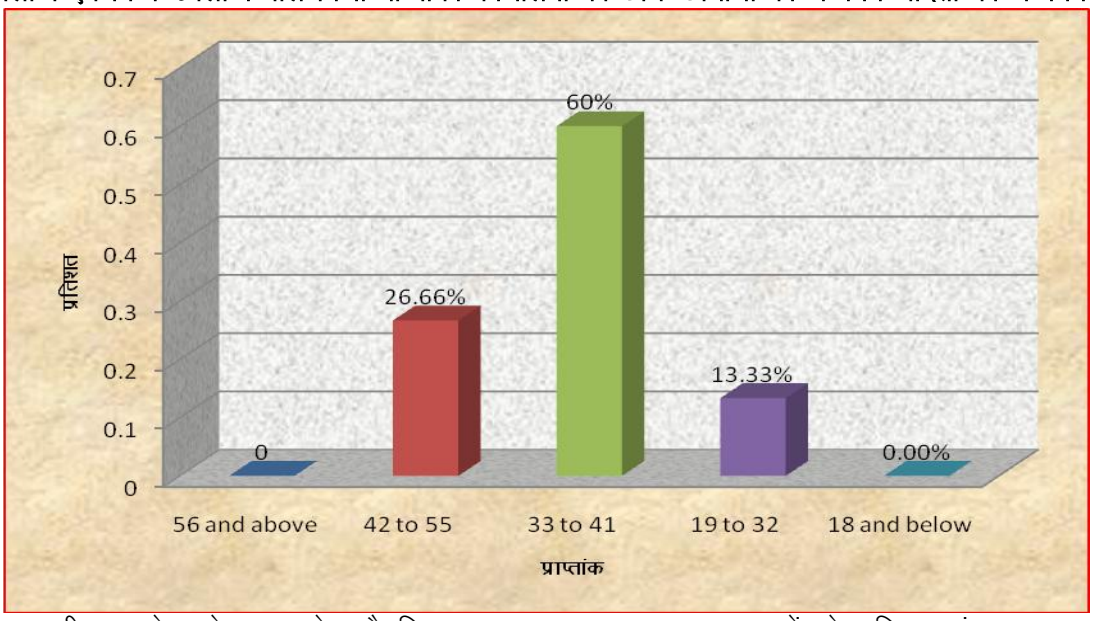

सारणी व आरेख से स्पष्ट होता है कि 26.66 प्रतिशत निजी माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति स्तर अच्छा है, 60 प्रतिशत छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति स्तर संतोष जनक है एवं 13.33 प्रतिशत छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति स्तर कमजोर स्तर का है। इससे स्पष्ट है कि अधिकांश छात्र–छात्राओं अध्ययन आदतों के प्रति प्राप्तांक का स्तर संतोष जनक हैं।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष उद्देश्यों के आधार पर

प्रस्तुत शोध में उद्देश्यों के आधार पर निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुये :–

1. प्रथम व द्वितीय उद्देश्य के अन्तर्गत उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन किया गया है। जिसमें यह पाया गया कि अधिकांश छात्रों की अध्ययन आदतों का उच्च अभिमत 13.3प्रतिशत मध्यम 63.33 प्रतिशत एवं निम्न आदतों का अभिमत 23.41 था। वहीं अधिकांश छात्राओं का अध्ययन का अभिमत 46.66 प्रतिशत, मध्यम 30.00 प्रतिशत, निम्नगत 23.33 प्रतिशत, पाया गया इसमें यह पता चलता है। अधिकांश राजकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति प्राप्तांक स्तर अच्छा है वही राजकीय माध्यमिक विद्यालय छात्रों का अध्ययन आदतों के प्रति प्राप्तांक का स्तर संतोष जनक है।
2. तृतीय एवं चतुर्थ उद्देश्य में उच्च एवं निम्न उपलब्धि निजी माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन किया गया। जिसम में यह पाया गया कि अधिकांश छात्रों की अध्ययन आदतों के प्रति उच्च अभिमत 13.3 प्रतिशत, मध्यम अभिमत 66.76 प्रतिशत, निम्नतम अभिमत 20 प्रतिशत था। वहीं निजी माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति उच्च अभिमत 20 प्रतिशत, मध्यम–अभिमत– 56.66 प्रतिशत, तथा निम्नतम अभिमत 23.47 प्रतिशत पाया गया।

   इस मध्यमान के आधार अधिकांश उच्च निजी माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति प्राप्तांक का स्तर अच्छा हैं वहीं निजी माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का प्राप्तांक स्तर संतोष जनक हैं।
3. पंचम षष्ठम उद्देश्य के आधार पर उच्च एवं निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राएं एवं उच्च एवं निम्न उपलब्धि वालें निजी माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों को निर्धारित किया गया है। शोधार्थी

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-7* March- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika

द्वारा छात्र–छात्राओं से दत्त प्राप्त कर प्राप्तांक के आधार पर प्रतिशत निकाला गया है।

इसके अन्तर्गत राजकीय विद्यालय में अधिकांश छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति अभिमत स्तर प्राप्तांक के आधार पर 80 प्रतिशत था। जो कि उच्चतम था, मध्यम स्तर पर छात्र–छात्राओं का अभिमत 20 प्रतिशत पाया गया।

वही निजी विद्यालय की अधिकांश छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति अभिमत उच्चतम स्तर 26.66 प्रतिशत, मध्यम स्तर 60 प्रतिशत, एवं निम्नतम स्तर 13.33 प्रतिशत था।

उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक एवं निजी माध्यमिक छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा निम्न उद्देश्य उच्च उपलब्धि एवं निम्न उपलब्धि प्राप्त राजकीय माध्यमिक एवं निजी माध्यमिक छात्र– छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन निर्धारित किया गया इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु शोधार्थी द्वारा शून्य परिकल्पना का निर्माण किया गया तथा विद्यार्थियों से दत्त प्राप्त में वर्गीकृत किया गया व प्राप्त दत्तों के मध्यमान मानक विचलन व टी मूल्य निकाला गया।

उच्च उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक एवं निजी माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं का मध्यमान/मानक विचलन/टी मूल्य

उपलब्धि प्राप्त	छात्र–छात्रा माध्य	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मूल्य	
उच्च उपलब्धि प्राप्त छात्र–छात्रा	75	39.6	31.82	7.98	अस्वीकृत
निम्न उपलब्धि प्राप्त छात्र–छात्रा	75	33.1	16.51		

df = N_1+N_2 -2=148
df = 75+75-2=148

148df पर सारणीकृत मान 0.05 स्तर पर =2.61
0.01 स्तर पर =1.98

उच्च उपलब्धि वाले राजकीय माध्यमिक एवं निजी माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं का मध्यमान

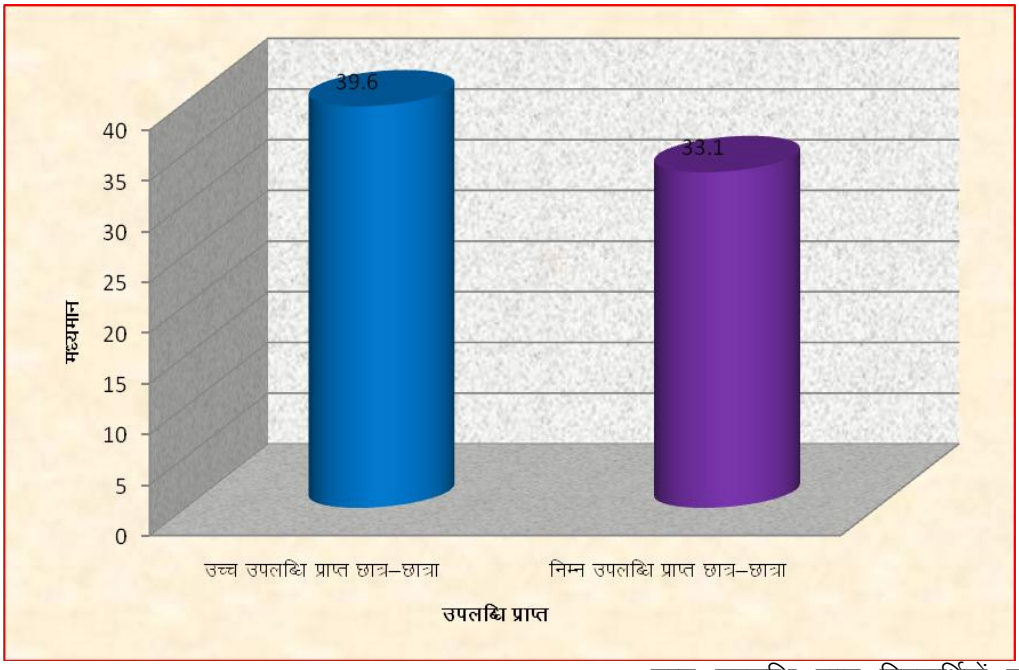

व्याख्या

सारणी व आरेख संख्या से स्पष्ट होता है कि सारणीकृत टी मूल्य 0.5 सार्थकता स्तर पर 2.61 तथा 0.1 सार्थकता स्तर पर 1.98 है। जबकि प्राप्त गणितीय 'टी' मूल्य 7.98 है जो इन दोनो सारणीकृत मान से ज्यादा है।

अतः परिकल्पना में **"उच्च उपलब्धि व निम्न उपलब्धि प्राप्त राजकीय माध्यमिक एवं निजी माध्यमिक विद्यालय छात्र–छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अंतर है।" अतः यह दोनों स्तर पर अस्वीकृत की जाती है।**

उच्च उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों का मध्यमान 39.6 पाया गया निम्न उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का मध्यमान 33.1 पाया गया है। दोनों के मध्यमान में अंतर है। यह क्योंकि छात्र–छात्राओं की अपेक्षा अध्ययन के प्रति कम रूचि दिखाते है छात्राओं में अध्ययन आदतें अधिक पायी गयी साथ ही यह अध्ययन में अंतर निजी विद्यालय के छात्र के उपलब्धि स्तर उच्च होने के कारण भी हो सकता है।

इसमें यह पाया गया कि अधिकांश राजकीय विद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति प्राप्तांक स्तर अच्छा था। वहीं निजी माध्यमिक

विद्यालय की छात्र–छात्राओं का अध्ययन आदतों के प्रति के प्राप्तांक स्तर संतोष जनक था।

शोध हेतु सुझाव

शोधार्थी द्वारा छात्र–छात्राओं में उचित अध्ययन आदतें विकसित करने के सुझाव देने के साथ–साथ उन छात्र–छात्राओं को भी सुझाव देना चाहते हैं जो इस सम्पूर्ण शैक्षिक किया के आधार बिन्दु थे सुझाव निम्नलिखित हैः–

1. विद्यार्थियों को निश्चित समयबद्ध योजना बनाकर पढ़ाई करनी चाहिए।
2. अध्ययन एक निश्चित शांत एवं उपयुक्त रोशनी वाले स्थान पर करना चाहिए।
3. एक समय में एक विषय को एकाग्रचित होकर पढ़ना चाहिये साथ ही महत्वपूर्ण बिन्दुओं को अध्ययन के साथ ही साथ उतार देना चाहिए।
4. विद्यार्थियों को हमेशा लिख कर पढ़ने की आदत डालनी चाहिये। साथ ही अध्ययन के लिये विद्यार्थियों को समय का प्रबंधन करना आवश्यक है।
5. विद्यार्थी अपने उज्ज्वल भविष्य के लिये सदैव सजग एवं तत्पर रहें एवं अपनी अध्ययन आदत को नियमित रखे।
6. विद्यार्थियों को पुस्तकालय में नियमित अध्ययन की आदत डालनी चाहिए एवं सदैव पत्र–पत्रिकाओं को पढ़ने की आदत डालनी चाहिए।
7. विद्यार्थियों को पढ़ने समय मोबाइल फोन का कम से कम उपयोग करना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

पुस्तकें

1. *Best, J.W. (1983). Research in Education. New Delhi: Prentice Hall of India.*
2. *Bhatnagar, R.P. (2002). Reading in Methodology of Research in Education. Meerut: R. Lall Book Depot.*
3. *Good, C.V.(1959). Introduction of Educational Research. Second Edition, New York: Appleton Century Crafts Ins.*
4. *Kothari, C.R. (2001). Research Methodology, New Delhi : Vishwa Publication.*
5. *Sharma, N.K., Sarita (1996). Research Methodology, Jaipur : RBSA Publishers.*
6. *ढौंढ़ियाल एवं फाटक, ''शैक्षिक अनुसंधान का विधि शास्त्र'', राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर 1973.*
7. *सिन्हा एच.सी.,''शैक्षिक अनुसंधान'', दिल्ली विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा.लि.*
8. *बथेल डॉ. हेतसिह, ''शिक्षा मनोविज्ञान'', राजस्थान प्रकाशन त्रिपोलिया बजार जयपुर.*
9. *भार्गव महेश (1993), ''आधुनिक मनोविज्ञान शिक्षण एवं मापन शैक्षिक'', प्रकाशन आगरा।*
10. *भटनागर सुरेश (2008) ''शिक्षा मनोविज्ञान'', सूर्या पब्लिकेशन मेटर.*
11. *राम पारसनाथ एवं भटनागर चांद (1974), ''अनुसंधान परिचय'', लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा*
12. *शर्मा डॉ. बी.एन. (2003) ''शिक्षा मनोविज्ञान'', साहित्य प्रकाशन, आगरा।*

जर्नल्स–पत्र एवं पत्रिकाएँ

13. *बुच एम.बी. (1978–1983)''सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन'' NCERT नई दिल्ली।*
14. *बुच एम.बी. (1983–88) कोर्स सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली वोल्यूमर।*
15. *Journal Research भारतीय आधुनिक शिक्षा अक्टूबर (2014) न्यू दिल्ली*
16. *Journal of Indian Education (Aug. 2010) NCERT New Delhi*
17. *अन्वेषिका अध्यापक शिक्षा (जनवरी 2015) न्यू दिल्ली*

Webliography

18. *<http://www.education.nic.in*
19. *<http://www.dissertation.com*
20. *<http://www.lib.uni.dissertation.com>*
21. *http://www.lib.umi.dissertation.com*
22. *http://www.wikipedia.com*
23. *<http://www.ethnologue.com>*